दुर्दशा

मामला चंदन नदी के तट पर श्री बालाजी गौशाला का

गौशाला की दुर्दशा, रखरखाव एवं व्यवस्थाओं का अभाव

नवभारत, वारासिवनी। गौ रक्षा के सर्व सुविधा युक्त रखरखाव के लिए एक दशक पूर्व चंदन नदी के तट पर श्री बालाजी गौशाला का स्थापना बड़े धूमधाम से की गई लेकिन समय बीतने के साथ इस गौशाला की दुर्दशा भी बढ़ाते चली गई रखरखाव एवं सुनिश्चित व्यवस्थाओं का अभाव सदैव गौशाला में गौ माता के लिए अभिशप्त बनता चला गया हाल यह है कि गायों के पीने के लिए पानी का भी अब इस गौशाला में अभाव विकराल रूप धारण करता जा रहा है इस गौशाला का शुभारंभ जब हुआ था तब यहां की व्यवस्थाएं महीना दो महीना चाक चौबंद रही उसके उपरांत मिलने वाला गौशाला के लिए सुव्यस्थित व्यवस्थाओं का अभाव तब से लेकर आज तक निरंतर बना हुआ है यहां मौजूद समिति के लोग इन मुख्य पशुओं के बचाव और समूचित रखरखाव के लिए आए दिन शासकीय कार्यालय के चक्कर लगाते रहते हैं लेकिन व्यवस्थाएं हर बार ढाक के तीन पात वाली कहावत चरितार्थ होती है वर्तमान समय में भीषण पेयजल संकट इस गौशाला में उत्पन्न हो गया है इस गौशाला के स्थापना वर्ष में एक कुएं का निर्माण किया गया लेकिन नदियों की छलनी करने वालों ने किसी भी तरह की कोताही नहीं बरती जिसके कारण नदी किनारे बसे गांव ही अब प्यासे हो चुके हैं जिसके कारण सभी स्थानों के कुओं का जलस्तर नीचे जा चुका है और कहीं कहीं तो कुएं में पानी ही नहीं दिखाई दे रहा है जिसके कारण जीवित प्राणियों के लिए जल की भारी समस्या नगर क्षेत्र में विकराल रूप धारण करते जा रही है इस गौशाला में पशुओं के पीने के लिए जल की समस्या होने से यहां समिति के सदस्यों ने कूप खनन की मांग हेतु पत्र जिला कलेक्टर अनुविभागीय अधिकारी वारासिवनी एवं शासन को मांग पत्र दिया है जिसका निराकरण अब तक न होने से गायों के लिए प्यासे रहने की नौबत आन पड़ी है गौ प्रेमी एवं शासन प्रशासन को इस ओर अभिलंब ध्यान देने की महिती आवश्यकता है जिससे मुख पशुओं को सुविधाजनक तरीके से पेयजल की पूर्ति बहुतायत मात्रा में सदैव मिलती रहे ताकि केवल पेयजल के लिए मृत्यु होने के समाचार प्रकाश में ना आ आए इस ओर जिला कलेक्टर से समिति के सदस्यों ने अनुरोध किया है कि शासन प्रशासन अभिलंब इस गौशाला में कूप निर्माण अभिलंब कर पानी की उपलब्धता अभिलंब करें।

क्योंकि समीप बहने वाली चंदन नदी भी पूरी तरह से सूख चुकी है जहां मुख जीव जंतुओं के लिए भी प्यास बुझाने पानी नहीं बचा है जिसमें कम से कम नहरों के माध्यम से पानी छोड़ा जाए कूप निर्माण होने के उपरांत गौशाला की समस्या में पेयजल की समस्या से मुक्ति मिल सकती है ऐसी जनापेक्षा है।

सेना में लेफ्टिनेंट पद पर मनीष का चयन

नवभारत, कटंगी। तिरोड़ी के सामान्य परिवार में जन्मे मनीष कुमार सिन्हा का चयन भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट के पद पर हुआ है। वर्तमान में वे चेन्नई के ट्रेनिंग सेंटर में ट्रेनिंग ले रहे है। यह एक गौरवशाली पल है। इनकी पढ़ाई शकुंतला विद्यालय रामनगर से हुई। इनके पिता हेमराज सिन्हा तिरोड़ी के मॉयल में कार्यरत है। बेस्ट केरियर के लिए तिरोड़ी से भिलाई आकर मामा के घर पढ़ाई की और आज इस मुकाम पर पहुंच गए। मनीष के मामा मनोज कुमार सिन्हा पोस्टल डिपार्टमेंट में ग्रेड 1 पोस्टमास्टर और दूसरे अमृत लाल सिन्हा शिक्षा विभाग में हेड मास्टर है और इनके नाना भिलाई स्टील प्लांट से सेवानिवृत है। मनीष ने अपनी सफलता का श्रेय अपने गुरुजनों और माता पिता को दिया है मनीष की इस उपलब्धि पर इष्टमित्रों शुभचिंतकों और तिरोड़ी ग्रामवासियों ने अपनी शुभकामना प्रेषित की है।

लालबर्रा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में अव्यवस्था का आलम

डॉक्टरों की कमी से बेपटरी हुई स्वास्थ्य सुविधाएं

नवभारत, लालबर्रा। शासन और जनप्रतिनिधि बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं के चाहे कितने ही दावे कर लें, लेकिन लालबर्रा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की जमीनी हकीकत इन दावों की पोल खोल रही है। वर्तमान में यह केंद्र खुद 'बीमार' नजर आ रहा है, जहाँ डॉक्टरों की भारी कमी के कारण क्षेत्रवासियों को समुचित उपचार नहीं मिल पा रहा है। आलम यह है कि अस्पताल में विशेषज्ञों के पद रिक्त होने या डॉक्टरों की अनुपस्थिति के चलते मरीजों को घंटों इंतजार करना पड़ता है या फिर मायूस होकर निजी क्लीनिकों की शरण लेनी पड़ रही है।

निजी चिकित्सकों पर निर्भर होने को मजबूर ग्रामीण

लालबर्रा स्वास्थ्य केंद्र में विशेषज्ञ डॉक्टरों के अभाव में गंभीर बीमारियों का इलाज तो दूर, सामान्य प्राथमिक उपचार के लिए भी मरीजों को भटकना पड़ रहा है। सरकार द्वारा सरकारी अस्पतालों में मुफ्त और बेहतर इलाज के दावे यहाँ खोखले साबित हो रहे हैं। बेहतर इलाज की उम्मीद में आने वाले गरीब ग्रामीणों को अंतत: आर्थिक बोझ सहते हुए निजी अस्पतालों का रुख करना पड़ता है। क्षेत्रवासियों ने जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग के उच्च अधिकारियों से मांग की है कि जल्द से जल्द यहाँ डॉक्टरों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित की जाए और रिक्त पदों पर विशेषज्ञों की नियुक्ति की जाए, ताकि स्वास्थ्य सुविधाएँ पुन: पटरी पर लौट सकें।

डॉक्टर के भरोसे ओपीडी, जिम्मेदार स्टाफ नदारद

यवस्था का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि यहाँ प्रतिदिन एकमात्र डॉक्टर धर्मेंद्र गोहिया ही मोर्चा संभाले नजर आते हैं। बताया जाता है कि डॉ. गोहिया मूल रूप से डेंटिस्ट (दंत रोग विशेषज्ञ) हैं, लेकिन अन्य डॉक्टरों की उपलब्धता न होने के कारण उन्हें मजबूरी में सामान्य ओपीडी देखनी पड़ रही है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि जिन डॉक्टरों की ड्यूटी लगाई जाती है, वे भी समय पर अस्पताल नहीं पहुँचते। जिम्मेदार स्टाफ की इस लेट-लतीफी और गैर-जिम्मेदाराना रवैये के कारण दूर-दराज के ग्रामीण क्षेत्रों से आए मरीजों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ .मोहन यादव से शिष्टाचार भेंट

नवभारत, बालाघाट। यशस्वी मुख्यमंत्री जी से बालाघाट जिले की बहुप्रतीक्षित मांग बैहर चौकी रेल्वे ओवर ब्रिज निर्माण कार्य की प्रशासकीय स्वीकृति अति शीघ्र प्रदान करने एवं बालाघाट विधानसभा की बहुउद्देशीय कार्ययोजना पाथरी लघु जलाशय की नहरों का सुदृढ़ीकरण एवं लाइनिंग (लागत 3.32 करोड़) कार्य कि पुनरीक्षित प्रशासकीय स्वीकृति व ग्राम कनकी (रेत घाट) से भटेरा के बीच वैनगंगा नदी पर उच्चस्तरीय पुल का निर्माण करने तथा लालबर्रा में राजस्व अनुविभाग कार्यालय स्थापित करने के लिए पुन: मांग कर पत्र प्रेषित किया। इन सभी विषयों पर माननीय मुख्यमंत्री जी के साथ सार्थक चर्चा की गई, माननीय के द्वारा सभी कार्यों के लिए मुझे पूर्ण आश्वस्त किया गया।

एफएलएन कार्यक्रम में लापरवाही पर सख्ती, 8 शिक्षकों को नोटिस

नवभारत, बालाघाट। बालाघाट जिले के बैहर अनुविभाग अंतर्गत शासकीय एकीकृत माध्यमिक शाला कम्पाउंडरटोला में निरीक्षण के दौरान शैक्षणिक लापरवाही का गंभीर मामला सामने आया है। दिनांक 06 अप्रैल 2026 को एसडीएम बैहर श्री अर्पित गुप्ता द्वारा विद्यालय का औचक निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान पाया गया कि एफ.एल.एन. कार्यक्रम के क्रियान्वयन में गंभीर अनियमितताएं हैं। पूर्व में आयोजित टी.एल. बैठक में दिए गए निर्देशों के बावजूद अंग्रेजी, गणित एवं हिन्दी विषयों में कमजोर विद्यार्थियों के लिए अतिरिक्त कक्षाएं संचालित नहीं की जा रही थीं। आश्चर्यजनक रूप से उपस्थित शिक्षकों को इन निर्देशों की जानकारी तक नहीं थी, जिससे जिम्मेदार अधिकारियों की लापरवाही उजागर हुई। इसके अलावा निरीक्षण के समय विद्यार्थी भोजन अवकाश समाप्त होने के एक घंटे बाद भी विद्यालय परिसर में खेलते पाए गए, जबकि शिक्षक आपस में बातचीत में व्यस्त थे। यह स्थिति विद्यालय में अनुशासनहीनता को दर्शाती है।

मामले को गंभीरता से लेते हुए एसडीएम बैहर ने विकास खंड शिक्षा अधिकारी एवं बी.आर.सी. बैहर को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। साथ ही, शाला के 8 शिक्षकों को शैक्षणिक दायित्वों के प्रति लापरवाही और अनुशासनहीनता के आरोप में अलग-अलग कारण बताओ नोटिस दिए गए हैं। संबंधित शिक्षकों के दिनांक 06 अप्रैल 2026 के वेतन कटौती का प्रस्ताव भी किया गया है।

एसडीएम श्री गुप्ता ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि एफ.एल.एन. कार्यक्रम का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए और विद्यार्थियों के शैक्षणिक स्तर में सुधार हेतु तत्काल आवश्यक कदम उठाए जाएं। भविष्य में इस प्रकार की लापरवाही पाए जाने पर कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई।

किरनापुर में शिक्षा को नई दिशा

अटल टिंकरिंग लैब हेतु अतिरिक्त कक्ष निर्माण

नवभारत, किरनापुर। बालाघाट जिले के विकासखंड किरनापुर में शिक्षा के क्षेत्र में एक प्रेरणादायक बदलाव देखने को मिल रहा है। पीएम श्री योजना के अंतर्गत शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल (गर्ल्स) किरनापुर में अटल टिंकरिंग लैब के लिए अतिरिक्त कक्ष का निर्माण कार्य प्रगति पर है। इस निर्माण कार्य की स्वीकृत लागत राशि 16.30 लाख रुपये है।

पूर्व में विद्यालय में आधुनिक शैक्षणिक गतिविधियों एवं प्रयोगात्मक शिक्षण के लिए पर्याप्त स्थान का अभाव था। विशेषकर विज्ञान और तकनीकी आधारित गतिविधियों को संचालित करने में कठिनाइयाँ आती थीं। छात्राओं की जिज्ञासा और सीखने की इच्छा होते हुए भी संसाधनों की कमी बाधा बन रही थी। अब इस अतिरिक्त कक्ष के निर्माण से विद्यालय में एक नई ऊर्जा का संचार हुआ है। प्रस्तावित अटल टिंकरिंग लैब छात्राओं को नवाचार, रचनात्मकता और तकनीकी ज्ञान से जोड़ने का एक सशक्त मंच प्रदान करेगी। यहाँ छात्राएं रोबोटिक्स, विज्ञान मॉडल, डिजिटल प्रयोग एवं नई तकनीकों के साथ सीखने का अवसर प्राप्त करेंगी।

इस पहल से न केवल छात्राओं को सुरक्षित एवं अनुकूल शैक्षणिक वातावरण मिलेगा, बल्कि शिक्षकों को भी आधुनिक एवं प्रभावी तरीके से शिक्षण कार्य करने में सहायता मिलेगी। यह कक्ष शिक्षा की गुणवत्ता को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग क्र. 02, बालाघाट का यह प्रयास ग्रामीण क्षेत्र की बालिकाओं को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह निर्माण कार्य आने वाले समय में छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव सिद्ध होगा।

तीन माह का प्रशिक्षण पूर्ण कर लौटे एनसीसी अधिकारी का पीजी कॉलेज में हुआ सम्मान

नवभारत, बालाघाट। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय बालाघाट में प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार मराठे के मार्गदर्शन एवं राष्ट्रीय सेवा योजना (ह्स्स्) के कार्यक्रम अधिकारी प्रो. सुखचंद्र एड़े के नेतृत्व में नागपुर (कामठी) से तीन माह का प्रशिक्षण पूर्ण कर लौटे एनसीसी अधिकारी डॉ. गजानन कटरे का एनएसएस स्वयंसेवकों एवं एनसीसी कैडेट्स द्वारा बैंड-बाजे और लोकनृत्य के साथ भव्य स्वागत किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ वर्चुअल हॉल में माँ सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण, सरस्वती वंदना एवं अभिनंदन गीत के साथ हुआ। समारोह में उन विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया गया, जिन्होंने राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय गतिविधियों में भाग लेकर महाविद्यालय का नाम गौरवान्वित किया। इनमें कोलकाता में आयोजित राष्ट्रीय एकता शिविर में शामिल अरविंद पांचे, चित्रकूट (सतना) के राज्य स्तरीय शिविर में भाग लेने वाली मोनाक्षी बिसेन, प्रवीण नागदेव, अंकित उके, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर के ओपन यूनिट शिविर में शामिल श्रुति गौतम और राहुल पटले, हिमाचल प्रदेश के एडवेंचर शिविर में भाग लेने वाले गोल्डी पांचे, तथा भोपाल के लाल परेड ग्राउंड में गणतंत्र दिवस परेड में शामिल वीणा जामरे और निरंजन बिसेन प्रमुख रहे। विशेष रूप से वीणा जामरे का ग्वालियर में आयोजित राज्य स्तरीय गणतंत्र दिवस शिविर में चयन उल्लेखनीय रहा। इसके अलावा पूनम गौंधुरे का पुलिस विशेष सहयोगी दस्ते में तथा एनसीसी कैडेट विनय पारधी का जिला फोर्स में चयन भी सराहनीय रहा।

कार्यक्रम में प्रतिभागियों ने अपने-अपने शिविरों के अनुभव साझा किए। साथ ही 'माँ तुझे प्रणाम' एवं 'मेरा युवा भारत' योजना के अंतर्गत भाग लेने वाले स्वयंसेवकों को भी सम्मानित किया गया। गणतंत्र दिवस परेड में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 18 स्वयंसेवकों को मेडल प्रदान किए गए। अपने उद्बोधन में प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार मराठे ने राष्ट्रीय सेवा योजना को विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का महत्वपूर्ण मंच बताते हुए देश सेवा, अनुशासन और नेतृत्व के मूल्यों को अपनाने का संदेश दिया।

भिण्ड में सम्मानित हुए कवि संजय और शैलेश

कवि सम्मेलन में एक से बढ़कर एक रचना प्रस्तुत की

नवभारत कटंगी 7 अप्रैल। मप्र के भिण्ड जिले में आयोजित सम्मान समारोह और कवि सम्मेलन में जिले के नामचीन विद्रोही कवि संजय अश्क और व्यंग्यकार शैलेश शैल को प्रशस्ति पत्र और शाल देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कवि सम्मेलन भी आयोजित किया गया, जहां बालाघाट के कवियों ने एक से बढ़कर एक रचनाओं से सबको कायल कर दिया। 6 अप्रैल को मनकाबाग भिण्ड में संस्कार वैली हायर सेकंडरी स्कूल के तत्वावधान में सालाना जलसे में स्कूल संचालिका प्रियंका गोयल और कवि व समाजसेवी नरेश बौद्ध के संयोजन में कवि सम्मेलन आयोजित किया गया था। जहां महाराष्ट्र से सुदामा अक्रांत, उत्तर प्रदेश और मप्र से वरिष्ठ और नामी कवियों ने शिरकत कर कार्यक्रम को यादगार बना दिया।

संजय अश्क के तीन काव्यसंग्रह प्रकाशित हो चुके

गौरतलब हो की संजय अश्क के तीन काव्यसंग्रह पूर्व में प्रकाशित हो चुके हैं और देश के विभिन्न दैनिक, साप्ताहिक और मासिक समाचार पत्र पत्रिकाओं में उनकी रचनाएं प्रकाशित होती रहती है। उनके तीखे तेवर और वर्तमान हालात पर उनकी सदी रचनाएं श्रोताओं को खूब पसंद आती है। क्षेत्र के लोगों का कहना है कि संजय अश्क पठार की शान है।

पमरे ने 9111 करोड़ का रेवेन्यू अर्जित किया

जबलपुर। पश्चिम मध्य रेल ने सर्वश्रेष्ठ रिकॉर्ड उपलब्धि हासिल की है वित्तीय वर्ष अप्रैल 2025 से मार्च 2026 की अवधि में पश्चिम मध्य रेलवे ने 9111 करोड़ 19 लाख का कुल ओरिजिनेटिंग रेवेन्यू अर्जित किया। इसमें यात्री यातायात से 1159 करोड़ 50 लाख माल यातायात से 6079 करोड़ 02 लाख अन्य कोचिंग मद से 180 करोड़ 87 लाख विविध आय संड्री से 270 करोड़ रुपए शामिल हैं। यह आय पिछले वित्तीय वर्ष 2024-25 के 8222 करोड़ 89 लाख की तुलना में 10 .80 प्रतिशत अधिक है।

प्रायवेट स्कूलों में लूट-खसोट, अभिभावकों की जेब पर डाका

पुस्तकों का महंगा खेल पड़ रहा भारी कई कक्षाओं में एनसीईआरटी की एक भी पुस्तक शामिल नहीं है

नवभारत कटंगी 7 अप्रैल। जहां एक ओर सरकार शिक्षा को किफायती और सुलभ बनाने के लिए एनसीईआरटी की पुस्तकों को अनिवार्य करने की बात करती है, वहीं कटंगीक्षेत्र के निजी स्कूलों में कहानी इसके बिल्कुल विपरीत है। यहां के अधिकांश बड़े निजी स्कूलों ने 'शिक्षा की दुकान' खोल रखी है, जहां अभिभावकों को खुलेआम लूटा जा रहा है।

कटंगी के कई निजी स्कूलों ने शैक्षणिक सत्र की शुरुआत के साथ ही कई कक्षाओं में एनसीईआरटी की एक भी पुस्तक शामिल नहीं है। इसकी जगह निजी प्रकाशनों की चकाचौंध वाली महंगी किताबें अनिवार्य कर दी गई हैं।

स्कूल संचालक ऊंचे दाम पर बेच रहे पुस्तकें व यूनिफॉर्म

एनसीईआरटी की जो किताब मात्र 30 से 50 रूपये में मिल सकती है, निजी प्रकाशकों की वैसी ही किताब 500 से 900 रुपये के बीच मिलती है। भारी भरकम कमीशनखोरी के चलते स्कूल प्रबंधन गुणवत्ता का हवाला देकर इन महंगी किताबों को खरीदने अभिभावकों को मजबूर करता है। कुछ स्कूलों में तो यूनिफॉर्म और पुस्तकें भी स्कूल संचालक ऊंचे दामों में बेच रहे हैं।

प्रशासन की चुप्पी पर सवाल

'बुक माफिया' और स्कूलों की साठगांठ को लेकर विद्यार्थियों एवं अभिभावकों के साथ ही शिक्षकों तक में तीव्र आक्रोश है। किंतु इस मामले में प्रशासन की 'चुप्पी' अभिभावकों की बेबसी पर भारी पड़ रही है। कटंगी में इस मुद्दे पर प्रशासन का रवैया अब तक ढुलमुल रहा है। कोई ठोस कार्रवाई नहीं होने से स्कूलों संचालकों के हौसले बुलंद हैं।

शिकायतों पर नहीं की कार्यवाही

कई बार निजी स्कूलों की इस मनमानी और अवैध वसूली के खिलाफ शिकायतें की गई हैं, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं होने से यही लग रहा है कि स्कूल संचालकों के आगे शिक्षा विभाग व जिम्मेदार प्रशासन भी लाचार है। नागरिकों का आरोप है कि कटंगी के एक मात्र शासकीय सांदीपनि विद्यालय में भी प्राचार्य शैलेन्द्र गुप्ता प्राइवेट स्कूलों के दबाव में आकर प्रायवेट स्कूलों के छात्रों को एडमिशन नही दे रहे हैं।

सांदीपनी विद्यालय के प्राचार्य की भूमिका संदिग्ध

कुछ पालकों का तो यह भी कहना कि नये सत्र में सांदीपनी विद्यालय के प्राचार्य द्वारा बगैर प्रचार प्रसार के ही तीन दिन में एडमिशन प्रक्रिया पूर्ण कर एडमिशन की इतिश्री कर दी गई और जानकारी के अभाव में कई पात्र क्षात्रों को एडमिशन से वंचित होना पढा और प्रायवेट स्कूलों के संचालकों की बल्ले-बल्ले हो गई।

60 बूथों पर जवाबदेही के साथ मनाया गया भाजपा स्थापना दिवस

नवभारत, वारासिवनी। भारतीय जनता पार्टी का 47वां स्थापना दिवस आज भाजपा कार्यालय में अत्यंत गरिमामय और उत्साहपूर्ण वातावरण में मनाया गया। इस अवसर पर पार्टी की रीति-नीति और विचारधारा को जन-जन तक पहुँचाने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम मे पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने पार्टी लाईन से प्रथक कार्य करने वालो को शिकायत मिलने के उपरांत जमकर आडे हाथो लेते हुये पारिवारीक माहौल मे स्पष्ट कहा की व्यक्तिगत विरोध के कारण ऐसे लोगो को हजारो कार्यकर्ताओ की भावनाओ को आहत नही करने दिया जायेगा।

'कार्यक्रम की शुरुआत भाजपा की गौरवशाली परंपरा के अनुरूप हुई। पूर्व केबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल एवं भाजपा पदाधिकारीयो सहित कार्यकर्ताओ ने भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, एकात्म मानववाद के प्रणेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय और भारत माता के तैल चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया।

कार्यक्रम मे अतिथी के रूप मे पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल के साथ जिला उपाध्यक्ष किशोर अमूले, जिला मंत्री श्रीमती रेखा गोखले,नगर मंडल अध्यक्ष संदीप मिश्रा, वरिष्ठ नेता चिरौजी पारधी, शक्तिकेन्द्र प्रभारी पप्पू हरिनखेडे, पूर्व नपा अध्यक्ष श्रीमती स्मिता जायसवाल आदि मंचासीन भी रही। आभार प्रदर्शन नगर मंडल के पदाधिकारी दीपक जैन के द्वारा कुशलता के साथ किया गया।